भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4355 का उत्तर

झारखंड और पश्चिम बंगाल में नई रेल परियोजनाएं

4355. श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से देश में निर्मित किए गए नए रेल मार्गों, की संख्या कितनी है तथा इसके अंतर्गत शामिल किए गए क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है और इनके निर्माण का उद्देश्य क्या है;

(ख) क्या सरकार की, विशेषकर झारखंड और पश्चिम बंगाल में, संपर्क बढ़ाने और आर्थिक अवसरों में सुधार करने के लिए वंचित क्षेत्रों में रेल नेटवर्क का और अधिक विस्तार करने की कोई योजना है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार क्षेत्रीय संपर्क और विकास को बढ़ावा देने के लिए झारग्राम (झारखंड) से पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) तक एक नया रेल मार्ग बनाने पर विचार कर रही है जो चांडिल, निमडी, बोडाम, कटिन और बंधवान जैसे शहरों से होकर गुजरेगा और यदि हां, तो उक्त प्रस्ताव की स्थिति संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) : रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृत/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार/जिला/निर्वाचन क्षेत्र-वार, क्योंकि रेलवे की परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम मील कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, भीड़भाड़ वाली/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चल रही परियोजनाओं के थ्रोफारवर्ड और धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में, कुल 44,488 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 488 रेलवे अवसंरचना परियोजनाएँ (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण), जिनकी लागत लगभग ₹7.44 लाख करोड़ है, योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक लगभग ₹2.92 लाख करोड़ का व्यय किया जा चुका है। सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	187	20,199	2,855	1,60,022
आमान परिवर्तन	40	4,719	2,972	18,706
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	261	19,570	6,218	1,13,742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

सभी रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्र-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

भारतीय रेल में नई पटरियों की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./प्रतिदिन
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी./प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

<u>झारखंड</u> :

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 3070 कि.मी. लंबाई वाली 32 (11 नई लाइनें, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) परियोजनाएं हैं, जिनकी लागत ₹52,885 करोड़ है, जिनमें वे भी शामिल हैं जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, इनमें से 744 किलोमीटर लंबाई वाली परियोजनाएं कमीशन कर दी गई है तथा मार्च, 2024 तक ₹15,986 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इनका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1069	156	3549
आमान परिवर्तन	1	159	90	184
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	20	1842	497	12254
कुल	32	3070	744	15986

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसरंचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹457 करोड़/वर्ष
2025-26	₹7306 करोड़ (लगभग 16 गुना)

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है :-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	287 कि.मी.	57.4 कि.मी.
2023-24	124 कि.मी.	124 कि.मी. (2 गुना से अधिक)

पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और चालू वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25) के दौरान, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाले कुल 84 सर्वेक्षण (18 नई लाइन, 66 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 3386 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं।

<u>पश्चिम बंगाल</u> :

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः आने वाली रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2024 तक, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली 4479 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 43 परियोजनाएं (13 नई लाइन, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण), जिनकी लागत 60,168 करोड़ रुपए है, जिनमें वे भी शामिल हैं जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 1655 किलोमीटर लंबाई वाली परियोजनाएं कमीशन कर दी गई है तथा मार्च, 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	1087	322	9774
आमान परिवर्तन	4	1201	854	3663
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2192	479	6997
कुल	43	4479	1655	20434

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसरंचना संबंधी परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	रु. 4,380 करोड़/वर्ष
2025-26	13,955 करोड़ रुपये (3 गुना से अधिक)

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली महत्वपूर्ण अवसरंचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

पश्चिम बंगाल में परियोजनाओं के लिए आवश्यक कुल भूमि	4093 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	1086 हेक्टेयर (26.5%)
शेष भूमि जिसका अधिग्रहण किया जाना है	3007 हेक्टेयर (73.5%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	शेष भूमि जिसका अधिग्रहण किया जाना है (हेक्टेयर में)
1	नबद्वीपघाट-नबद्वीपधाम नई लाइन (10 कि.मी.)	106.71	0	106.71
2	सैंथिया में बाईपास (5 कि.मी.)	22.28	0	22.28
3	देशप्राण-नंदीग्राम (17 कि.मी.) नई लाइन	78.51	65.96	12.55

इसके अलावा, स्थानीय लोगों द्वारा भूमि अधिग्रहण के खिलाफ विरोध और पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के संबंधित अधिकारियों के असहयोग के कारण इन परियोजनाओं पर कार्य आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और चालू वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25) के दौरान, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाले कुल 95 अदद सर्वेक्षण कार्य (10 नई लाइन, 85 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई 4222 किलोमीटर है।

झारग्राम और पुरुलिया (125 किलोमीटर) के बीच नई लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य को मंजूरी दी गई है। सर्वेक्षण कार्य शुरू हो गया है।

****